Souvenir

Smaran 2021

Chief Editor : Ravi Sharma, Editors : Vivek Modi, Renu Sharma

Kala Ankur

in association with

Toronto Musical Group

and

A1TV

Live Broadcast Time
Sunday I October 31, ,2021
08.30 PM (IST) I India
11.00 AM (IST) I Toronto
04.30 PM (GMT) I UK
Facebook Page : **Toronto Musical Group**
Youtube Page : **Kala Ankur Sansthan**
Satellite TV Channel : **A1TV** (8.30 PM to 9.00 PM)

Presents

Smaran 2021

Best of the songs composed by Ravi to be presented by some of the leading amateur voices of Ajmer and Toronto

Dr. Roopa Goyal
Convener Smaran 2021, Kala Ankur, Ajmer

Sponsorship / Donations solicited
Huge media coverage on internet for the supporters by way of slides during the LIVE webcast and through the digital booklet to be released on the occasion.
Donations to Kala Ankur are exempted under 80-G.
For details please contact :
Shri Ravi Sharma (91-99288 37837)

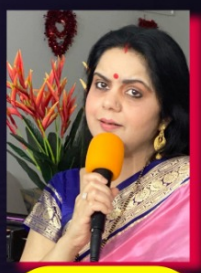

Sumita
Coordinator
Toronto Musical Group
Canada

Kala Ankur : An Insitution for the promotion of fine & performing arts of young and talented.
154/10, Civil Lines, Ajmer(Raj.) India Tel : 0145-2623567 Website : www.kalanakur.org

Kala Ankur…in tune with times…
Collaborating, going online & paperless.

Fine & Performing Arts Unlimited

Executive Body – Kala Ankur (21-22)

कला अंकुर

कला अंकुर एक सांस्कृतिक संस्था है, जिसका उद्धेश्य और कार्यविधि कला अंकुर के घोष वाक्य में निहित है, घोष वाक्य है, 'कला के अंकुर सुपल्लवित हों'।

लगभग 25 से 26 वर्ष पूर्व अजमेर के कुछ कला प्रमियों ने अजमेर में सांस्कृतिक गतिविधियों और सांस्कृतिक जागरूकता के लिए एक संस्था की स्थापना का निर्णय लिया।

अजमेर के जाने–माने प्रतिष्ठित इंजीनियर्स श्री कमलेन्द्र झा, श्री रवि शर्मा, श्री अनिल जैन तथा महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के उस समय के मैनेजमेंट फैकल्टी के डीन प्रो. अज़हर काज़मी तथा उनके कुछ कला प्रेमी कलाकार साथियों ने 20 जनवरी 1996 को सूचना केन्द्र में एक संगीत कार्यक्रम श्रद्धांजलि का आयोजन कर संस्था कला अंकुर की विधिवत स्थापना की घोषणा की।

कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों के साथ–साथ दिल्ली से आमंत्रित राष्ट्रीय स्तर के कलाकार युगल श्री दिनेश शर्मा और श्रीमती शांति शर्मा ने अपनी गायकी से अजमेर में एक नई संस्था और सांस्कृतिक गतिविधि का परिचय अजमेर के लोगों से कराया।

अपने पहले कार्यक्रम से ही कला अंकुर के सदस्यों ने अजमेर में बहुत छोटे–छोटे अंतराल के साथ बहुत गहरी सोच संगीत की जानकारी और उच्च स्तर के प्रस्तुतिकरण के साथ कार्यक्रम करना प्रारम्भ किया। उस समय कला अंकुर से जुड़े हुए सदस्यों में श्रीमती पूर्णिमा तोषनीवाल, श्रीमती अनुराधा माथुर, श्री प्रमोद सोनी, श्री राजीव तोषनीवाल, श्री रमेश ब्रह्मवर, श्रीमती कुसुम शर्मा, श्रीमती अर्चना तेला, डॉ. अवध विहारी पाण्डेय, डॉ. ब्रजेश माथुर, श्री प्रशान्त गुप्ता, श्री राजेन्द्र स्वरूप माथुर व श्री रवि शर्मा स्व. सुनिल गोयल, श्री रमाकान्त अग्रवाल, श्री सुरेन्द्र सिंह शेखावत, श्री अनिल शर्मा, श्रीमती मधुलिका शेठ, श्री सुनिल जालौरी सम्मिलित थे, संगीत संचालन का दायित्व श्री हेमन्त शर्मा तथा मंच संचालन का दायित्व श्रीमती माधवी स्टीफन को सौपां गया।

अप्रेल 1996 में शास्त्रीय रागों पर आधारित गीतों का कार्यक्रम ''राग गीत'' अगस्त 1996 में वर्षा गीतों पर आधारित कार्यक्रम ''रिमझिम'' में मंच सज्जा का दायित्व श्री राजेन्द्र स्वरूप माथुर ने सम्भाला था। मंच सज्जा में विशेषता थी की हॉल में प्रवेश करते ही सामने वाली दीवार पर नाचते हुए मयूर का एक जोड़ा इतना आकर्षक था की हर आगन्तुक उसे एकटक देखता रह जाता था। इस प्रकार रिमझिम की सज्जा ने कला अंकुर को उसका प्रतीक चिन्ह दे दिया। उसी वर्ष गीतकारों को आमंत्रित

कर कवि सम्मेलन ''गीत सुधा'' तथा छायाचित्र प्रतियोगिता ''मेरा अजमेर'' का आयोजन किया। 1996 अक्टूबर माह में कला अंकुर सदस्यों ने चर्चा की जिसके परिणाम स्वरूप श्रीमती पूर्णिमा तोषनीवाल ने शरद पूर्णिमा की रात्रि को अपने निवास पुष्पवाटिका में एक अनौपचारिक संगीत कार्यक्रम 'गीत चांदनी' का आयोजन किया और इस प्रकार नियमित अन्तराल के बाद कई कार्यक्रम करते करते वर्ष 1996 का अंत आ गया।

जनवरी 1997 में लम्बे विचार विमर्श के बाद कला अंकुर ने 18 जनवरी को स्वर्गीय सहगल की स्मृति में ''स्मरण 1997'' के साथ महान संगीतज्ञों की स्मृति में स्मरण श्रृंखला को प्रारम्भ किया। 19 जनवरी 1997 को कला अंकुर ने अजमेर में अन्तर्विद्यालय गायन प्रतियोगिता खोज का आयोजन किया। ''स्मरण'' एवं खोज प्रतियोगिता पिछले 24 वर्षों से निरन्तर

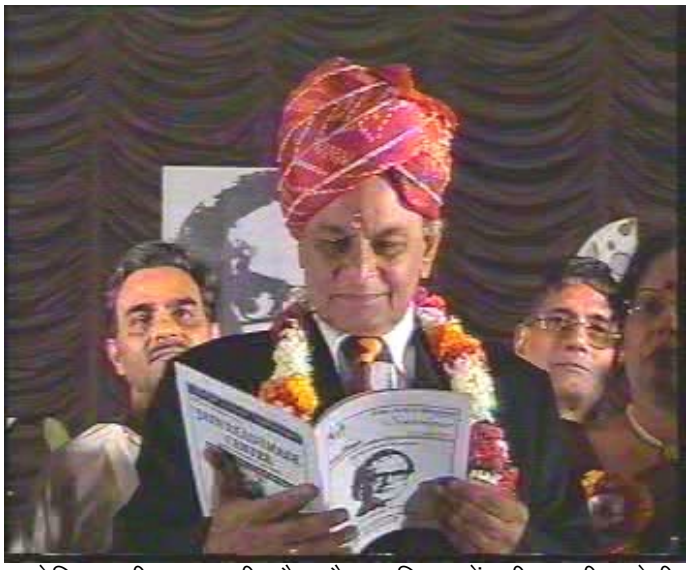

आयोजित की जा रही है और भविष्य में भी जारी रहेगी। ''स्मरण'' श्रृंखला कला अंकुर की सबसे अधिक लोकप्रिय कार्यक्रम श्रृंखला साबित हुई जिसमें फिल्म जगत के प्रतिष्ठित गायक और संगीतकारों को गीतों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है, ''स्मरण'' के दौरान कला अंकुर में ''स्मरण'' कार्यक्रम को एक भावनात्मक रूप देने के लिये कलाकारों के

परिवार से किसी को आमंत्रित कर मंच को गौरवान्वित किया जिनमें विशेष रूप से उल्लेखनीय है संगीतकार आन्नद जी भाई, संगीतकार उत्तम सिंह, सुप्रसिद्ध गायिका हेमलता जी, स्व. महेन्द्र कपूर के सुपुत्र रूहान कपूर, स्व. सलील चौधरी जी की सुपुत्री एवं प्रसिद्ध गायिका अतंरा चौधरी, गायिका संजीवनी, गायिका स्नेहा पंत, गीतकार गुलशन बावरा, मंच के प्रसिद्ध गायक मुख्तार शाह एवं साईराम अय्यर आदि ने अजमेर के संगीत प्रेमियों को प्रभावित किया।

खोज प्रतियोगिता भी अजमेर के विद्यालयों में एक प्रतिष्ठित संगीत प्रतियोगिता के रूप में जानी जाती है जिसका उल्लेख प्रिंसिपल द्वारा विद्यालय की वार्षिक रिर्पोट में भी किया जाता है।

वर्ष 2001 से कला अंकुर ने खोज की ही तरह अंर्तविद्यालय नृत्य प्रतियोगिता नृत्यांजलि प्रारम्भ की, इसकी परिकल्पना

श्रीमती प्रीती तोषनीवाल ने की थी जिन्होंने प्रतियोगिता में नृत्यांकुर, नृत्य सुरभि, नृत्य निधि एवं नृत्यमणि जैसे अलंकरण विद्यार्थियों को दिये। प्रारम्भ से ही प्रतियोगिता बहुत लोकप्रिय हुई और एक वर्ष छोड़कर एक वर्ष के क्रम से 2018 तक आयोजित की जाती रही। 2020 में लॉकडाउन के कारण आयोजित नहीं की गई थी आशा है 2022 में अवश्य आयोजित की जायेगी।

खोज तथा नृत्यांजलि प्रतियोगिताओं में देश के सिद्धहस्त संगीत एवं नृत्य कलाकारों को आमंत्रित किया जाता है, जिनमें उल्लेखनीय हैं – संगीतकार आनन्द जी भाई, संगीतकार जगमोहन, गायक पंकज सरावगी, गज़ल गायक मोहम्मद हुसैन अहमद हुसैन, मोहम्मद वकील तथा रोशन भारती, प्रसिद्ध संगीत शिक्षक श्री संजय विद्यार्थी,

आकाशवाणी एवं दूरदर्शन की प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका श्रीमती शांति शर्मा, नृत्यांगना श्रीमती अनिता ऑर्डिया, सोनिया, नर्तक दीपक।

कला अंकुर ने खोज और स्मरण के साथ अनेक विषय लेकर संगीत साहित्य, चित्रकला, रंगमंच आदि के विस्तृत क्षेत्र में कार्यक्रम एवं कार्यशालाएं आयोजित की हैं। विशेष रूप से उल्लेखनीय शास्त्रीय संगीत पर आधारित, फिल्मी

गीतों के कार्यक्रम, रागरंग, गीत भैरवी, यमन यामिनी तथा रूपक आयोजित किये गये इन कार्यक्रमों का उद्धेश्य संगीत प्रेमियों को फिल्मी संगीत के साथ साथ संगीत के मूल आधार शास्त्रीय संगीत से परिचित कराना रहा है। समय के साथ–साथ कला अंकुर अपनी ज़िम्मेदारियों के रास्ते पर आगे बढ़ता रहा और अचानक ये बात सामने आई कि कला अंकुर की एक सामाजिक ज़िम्मेदारी भी है तब शुरू हुआ चैरिटी प्रोग्राम्स का सिलसिला सबसे पहले प्रोग्राम ''माँ'' (12.08.2007) फिर ''वनिता'' (27.01.2013) जिसमें कला अंकुर दानदाताओं से धन संग्रह कर अजमेर की कुछ आर्थिक रूप से विपन्न महिलाओं को कम्प्यूटर प्रदान किये तथा उनके कम्प्यूटर शिक्षा की व्यवस्था भी की। इसी क्रम में (10.01.2015) उत्सर्ग कार्यक्रम पुर्न मंचन के साथ कला अंकुर ने कुछ ऐसे सैनिकों को जिन्हे पैंशन नहीं मिल पा रही थी उन्हें दान–दाताओं के माध्यम से पैंशन दिलवाने की व्यवस्था की यह सिलसिला चलता रहा, मानसिक रूप से अल्प विकसित बच्चों तथा एक अन्य कार्यक्रम में मूक–बधिर बच्चों को मंच भी प्रदान किया और साधन भी उपलब्ध कराएँ। इसके अतिरिक्त अजमेर के कुछ वृद्ध आश्रमों को साधन उपलब्ध कराने के लिए कार्यक्रम ''सिनेमा सफर सौ साल'' का आयोजन किया जिनमें वृद्धाश्रमों के कुछ वृद्धों ने भी गीत प्रस्तुत किया था।

शुद्ध शास्त्रीय संगीत पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन संगीत नाटक अकादमी तथा संस्था संकल्प के साथ किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से देश के प्रतिष्ठित कलाकारों को आमंत्रित कर अजमेर के कला प्रेमीजन समुदाय को राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों को सुनने का सुअवसर कला अंकुर ने प्रदान किया। वर्ष 2009 में कला अंकुर ने श्री श्याम नारायण माथुर के निर्देशन में रंगमंडल के नाम से प्रस्तुतिकरण मणि मधुकर के नाटक ''दुलारी बाई'' से प्रारम्भ किया। कला अंकुर अब तक पांचाली, भूमिजा, कृष्ण अर्पिता, राग विराग, रूक जाओ कालिदास, थैक्यू मि. ग्लाड, जिन लाहौर नहीं वेख्या आदि नाटकों का प्रस्तुतिकरण कर चुके हैं। कला अंकुर ने 1997 में देश की स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशिष्ट कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जो विशेष रूप से उल्लेखनीय है कार्यक्रम का नाम ''उत्सर्ग'' अगस्त 1997 में प्रस्तुत किया गया

था। कार्यक्रम में उपयुक्त गीतों के साथ भारत का इतिहास मुगल काल में अंग्रेजों के आगमन से लेकर स्वतंत्रता तक के संघर्ष का भावनात्मक वर्णन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम बहुत लोकप्रिय था जो बाद में एक बार मेयो कॉलेज प्रांगण तथा जनवरी 2015 में जवाहर रंगमंच पर तीसरी बार प्रस्तुत किया गया। उत्सर्ग की लोकप्रियता और राष्ट्रीय भावना के अतिरिक्त कला अंकुर के लिए उत्सर्ग की एक और उपलब्धि कला अंकुर गीत है, कला अंकुर के पहचान गीत का प्रयास प्रारम्भ से ही जारी था, श्रीमती पूर्णिमा तोषनीवाल ने कला अंकुर के लिए एक गीत लिखा और उसे संगीतबद्ध किया तथा उत्सर्ग कार्यक्रम के प्रारम्भ में श्रीमती पूर्णिमा तोषनीवाल और अन्य सदस्यों ने गीत प्रस्तुत कर उसे कला अंकुर के पहचान गीत के रूप में स्थापित कर दिया। कला अंकुर गीत के प्रारम्भिक बोल है ''स्वागतम तव स्वागतम कला अंकुरे तव स्वागतम'', श्रीमती पूर्णिमा तोषनीवाल ने इसे राग यमन में स्वरबद्ध किया है।

उत्सर्ग के अतिरिक्त 16 जनवरी 2011 को आयोजित कार्यक्रम

''कच्ची मिट्टी'' कला अंकुर का विशेष रूप से उल्लेखनीय कार्यक्रम हैं कार्यक्रम की परिकल्पना परियोजना तैयारी और प्रस्तुतीकरण श्रीमती पूर्णिमा तोषनीवाल के निदेशन में कला अंकुर के सदस्यों ने किया, कार्यक्रम 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गब था, जिसमे गायन वादन मंच संचालन आदि सारे कार्य 5 वर्ष से 18 वर्ष तक के बच्चों ने किये थे श्रीमती पूर्णिमा तोषनीवाल ने इस कार्यक्रम के माध्यम से भविष्य के कुछ कलाकारों को मंच प्रदान कर प्रोत्साहित किया प्रेरणा दी और सही दिशा की ओर अग्रसर किया ।

कला अंकुर 1996 से जो कार्यक्रम प्रस्तुत करता रहा था, उसमे कला अंकुर के सदस्य तथा कुछ आमंत्रित कलाकार भाग लेते रहे थे खोज और नृत्यांजलि के आयोजन ने एक नई विचारधारा को कला अंकुर तक पहुँचाया जिसके अनुसार यह तय किया गया कि अजमेर के उभरते हुए कलाकारों को संगीत अवं अन्य विधाओं का प्रशिक्षण देने के लिए कला अंकुर अपना दायित्व

निभाए । 20 अक्टूबर 2004 को ''कला अंकुर संस्थान एंड अकादमी फॉर फाइन एण्ड परफोर्मिंग आर्ट्स की स्थापना की गयी , स्थापना दिवस पर अजमेर की प्रसिद्ध संगीतज्ञ एवं प्राध्यापिका श्रीमती सुधा श्रीवास्तव ने अकादमी को प्रारम्भ करने का दायित्व निभाया तथा सिटीजन काउंसिल तथा दैनिक नवज्योति के प्रबंध सम्पादक श्री दीनबंधु चौधरी ने अपनी शुभकामनाये अवं आर्थिक सहयोग प्रदान किया ।

अकादमी के प्रारम्भ में शास्त्रीय संगीत की शिक्षा श्रीमती श्यामल नवरे, कत्थक नृत्य की शिक्षा श्रीमती अंशु परिहार, वाद्य संगीत की शिक्षा श्री हेमंत शर्मा ने प्रारम्भ की ।

अकादमी पिछले 17 वर्षों से अजमेर में संगीत नृत्य वाद्य संगीत के प्रशिक्षण में संलग्न हैं, इस बीच 2005 में उपलब्धि कार्यक्रम की प्रस्तुति तथा उसके बाद प्रत्येक वर्ष एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को मंच पर प्रस्तुतीकरण के लिए तैयार करते रहे हैं।

1996 से कला अंकुर का नेतृत्व स्वर्गीय श्री कमलेन्द्र झा साहब कर रहे थे, जो वर्ष 1998 से 2020 में अपने देहावसान तक कला अंकुर के संरक्षक रहे तथा हर गतिविधि को अपने मार्गदर्शन के साथ प्रस्तुत करते रहे। पिछले 10 वर्षों से श्री अनिल जैन कला अंकुर के सह संरक्षक के रूप में कला अंकुर का नेतृत्व करते रहे हैं। वर्तमान में लॉकडाउन के बावजूद कला अंकुर की गतिविधियों को ऑनलाइन आयोजित किया जा रहा हैं। वर्तमान में कनाडा की संस्था टोरन्टो म्यूज़िकल ग्रुप के साथ ऑनलाइन कार्यक्रम प्रस्तुत किये जा रहे हैं। कला

अंकुर के सभी कार्यक्रम इंटरनेट पर अपलोड करके कला अंकुर को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के संस्था बना दिया है। वर्तमान कार्यकारिणी कला अंकुर के भविष्य के कार्यक्रम यथास्थिति अनुसार ऑनलाइन या मंच पर प्रस्तुत करने की योजना के कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्मरण–2021

(महान संगीतकार रवि को समर्पित)

स्मरण–2021 फिल्म जगत के महान संगीतकार रवि को समर्पित हैं, यह कार्यक्रम कनाडा की संस्था टोरंटो म्यूजिकल ग्रुप तथा भारत के प्रसीद टीवी चौनल ''ए1 टीवी '' के सयुंक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा हैं। कार्यक्रम में संगीतकार रवि के गीत कला अंकुर के कलाकारों एवं टीएमजी के कलाकारों द्वारा ऑनलाइन प्रस्तुत किया जायेगा यह कार्यक्रम यूट्यूब तथा फेसबुक पर सीधा प्रसारित होगा ।

महान संगीतकार रवि एक अवलोकन

कल्पना शर्मा, उपाध्यक्ष – कला अंकुर

हिंदी सिनेमा के कई मशहूर गीतों को संगीतबद्ध करने वाले ऐसे संगीतकार थे रविशंकर शर्मा जिनके गीतों के बिना हर शादी अधूरी सी लगती है। लोकप्रिय गीत आज मेरे यार की शादी है, डोली चढ़ के दुल्हन ससुराल चली, मेरा यार बना दुल्हा और बाबुल की दुआएं लेती जा को अपने संगीत से अमर कर देने वाले संगीतकार रविशंकर शर्मा चार दशक तक अपने संगीत से हर किसी को दीवाना बनाते रहे। रवि की आवाज में कुछ ऐसा जादू था कि ना जाने वो कितनों की शामों को गुलज़ार करते थे तो कितनों की रातों का सहारा बनते थे।

'ऐ मेरी जोहरा जबीं' (वक्त) जैसे गाने के बिना शायद ही कोई मेंहदी या संगीत जैसे कार्यक्रम पूरे होते हों। इस गाने को भी रवि ने संगीत दिया। रवि (रवि शंकर शर्मा) का जन्म 3 मार्च

1926 को हुआ था। 24 साल की उम्र में वो गायक बनने के लिए मुंबई आ गए। यह पचास का दशक था। घूमते–घूमते एक दिन मुलाकात निर्माता–निर्देशक देवेन्द्र गोयल से हुई। गोयल ने फिल्म वचन में काम दिया और उन्होंने आशा भोंसले के साथ गाया गाना "चंदा मामा दूर के पुए पकाये पूर के"। यह गाना जबरदस्त हिट हुआ। पहली फिल्म में रवि की आवाज को हर किसी ने पसंद किया लेकिन बॉलीवुड में मुकाम हासिल करने में उन्हें 5 साल लग गए।

इस गीत ने बदली जिंदगी

1960 में गुरूदत्त की क्लासिक फिल्म 'चौदहवीं का चांद' आई और इसके बाद रवि ने फिल्म इंडस्ट्री में बतौर संगीतकार अपनी जगह कायम कर ली। फिल्म में 'चौदहवी का चांद हो या आफताब हो', 'बदले बदले मेरे सरकार नजर आते है' जैसे उनके गानों ने सुनने वालों पर कमाल का जादू किया। रवि को अपने शानदार करियर और काम के लिए दो बार फिल्म फेयर पुरस्कार से नवाजा गया। पहली बार 1961 में फिल्म 'घराना' के सुपरहिट म्यूजिक के लिए रवि को फिल्म फेयर मिला तो दूसरी बार 1965 में फिल्म 'खानदान' के लिये उन्हें फिल्म फेयर दिया गया।

काम को मिला सम्मान

रवि ने अपने चार दशक लंबे कॅरियर में करीब 200 फिल्मों और गैर फिल्मी गानों में संगीत दिया। उन्होंने कई हिन्दी और मलयालम फिल्मों के लिये संगीत रचना की। हिन्दी सिनेमा में सफल करियर के बाद, उन्होंने 1970 से 1982 तक के लिए अवकाश ले लिया। बाद में बॉम्बे रवि नाम के साथ उन्होंने सफल वापसी की। 1982 में उन्होंने निकाह फिल्म से वापसी की। इस फिल्म के लिये सलमा आगा को फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका पुरस्कार मिला था। रवि के बनाये गाने 'तुम्हीं मेरे मंदिर' के लिए ही लता को 1965 में सर्वश्रेष्ठ गायिका का फिल्मफेयर अवार्ड दिया गया था। उन्हें 'सरगम' (1992) और 'परिनायम' (1994) के लिए 2 बार मलयालम फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मान्नित किया गया ।

हिन्दी फिल्मों में उन्हें बलदेव राज चौपड़ा की फिल्मों में संगीत देने के लिये जाना जाता है। महेन्द्र कपूर को लोकप्रिय पार्श्व गायक बनाने में भी उनका योगदान था। इस वक्त वो साहिर लुधियानवी को गीतकार के रूप में लेते थे और उनकी जोड़ी ने कई यादगार गीत निर्मित किये हैं। रवि ही एकमात्र ऐसे संगीतकार थे, जो पहले गीत लिखवाते थे फिर उन्हें संगीतवद्ध करते थे। जिस कारण उनके बनाये तकरीबन सभी गीत अत्यधिक कर्णप्रिय और लोकप्रिय रहे।

Toronto Musical Group: TMG

Toronto Musical Group (TMG) was formed in the year 2009, the goal was and is to showcase the talents of Local and Global Artists of Indian Music across the Globe.

TMGs initial journey started in a room with few music loving singers. Within a few years TMG has retianed a reputable name in Toronto and other parts of Northern America.

Toronto Musical Group has and continues to organize numerous stage shows. The first stage show was organized at Sringeri Auditorium on Dec 31, 2015.

In 2016, TMG also performed during prime time for TD Festival Of South Asia held on Gerrard Street.

TMG has regularly participated in programs organized by Panorama India show casting the festivals of India.

For the past 10 years TMG has been regularly organizing events for celebration of India's Independence Day at Gauri Shanker Temple in Brampton, Ontario. TMGs artists have also performed live for Awaz ENT TV channel.

During the pandemic year, TMG researched and invested in streaming technologies to host weekly live events via social media like facebook and youtube which are viewed worldwide. With the help of this technology TMG broadcasts amazing video and audio quality programs with very low buffer time.

This technology has broken barriers of distance by bringing artists together from around the world right into your living room.

TMG has given this technology the name as Web TV.

अनुभवी पत्रकार श्री अनिल लोढ़ा तथा ए1 टीवी

राजस्थान पत्रकारिता में अनिल लोढ़ा जी एक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक है । अनिल लोढ़ा जी का जन्म 19 मई, 1956, अजमेर में हुआ था । राजनीति शास्त्र में बी.ए. आनर्स और एम.ए. करने के बाद प्रोफेशनल के तौर पर एल.एल.बी. को चुना लेकिन पत्रकारिता में रुचि उनकी शुरू से ही थी इसलिए मात्र 20 वर्ष की आयु में 2 जून,1976 को राजस्थान पत्रिका में ट्रेनी जर्नलिस्ट के रूप में की । अनिल लोढ़ा जी राज्य के अकेले ऐसे पत्रकार हैं जो प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों में न केवल नम्बर 1 अखबार व नम्बर 1 चैनल के संपादकीय हैड रहे बल्कि इन्हीं के कार्यकाल में पहली बार अखबार और चैनल नम्बर 1 बने।

1978 में जी.सी.ए. छात्रसंघ का चुनाव लड़ने के लिए उन्होंने राजस्थान पत्रिका का साथ छोड़ा ।

1979–80 में राज्य के सबसे बड़े कॉलेज जी.सी.ए. के छात्रसंघ अध्यक्ष बने और इसी दौरान 'दैनिक राष्ट्रदूत' और समाचार भारती एजेंसी के अजमेर जिले के संवाददाता के रूप में अपने काम को भी बढ़ाया । 1980 में वकालत शुरू की किंतु मन नहीं लगने के कारण 6 महीने बाद ही छोड़कर 'दैनिक नवज्योति' अजमेर के चीफ रिपोर्टर बने । 1983–84 में' दैनिक जनसत्ता दिल्ली के रिपोर्टर बने तथा 1 वर्ष दिल्ली रहकर काम किया इसी दौरान राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह की मॉरीशस यात्रा तथा अप्रवासी भारतीयों के मॉरीशस में प्रवेश की 150 वीं जयंती के समारोह को कवर करने का मौका मिला ।

नवभारत टाइम्स की जयपुर में 1985 में शुरुआत हुई और तब 5 वर्ष अजमेर के ब्यूरो चीफ तथा 5 वर्ष जयपुर में पॉलिटिकल रिपोर्टर के रूप में अपनी सेवाएं दी । इसके बाद 'दैनिक भास्कर' प्रकाशन के प्रारंभिक दौर में ही भास्कर के राजस्थान के संपादकीय प्रभारी बने। इन्हीं के कार्यकाल में सबसे पहले भास्कर जयपुर में पत्रिका से डबल हुआ और फिर राजस्थान में नम्बर 1 हुआ। इसी दौरान दैनिक भास्कर के कोटा एडिशन को लांच किया तथा अजमेर, जोधपुर एडिशन संभालें । दैनिक भास्कर को चंड़ीगढ़ और शिमला लांच करने गये, बाद में 'भास्कर टी.वी.' के प्रभारी बने।

सितम्बर 2008 में 'ई.टी.वी राजस्थान' के संपादकीय हैड बने और चुनाव के समय इनका चुनाव विश्लेषण राज्य के घर–घर में चर्चा का

विषय बना । अनिल जी के राजनीतिक विश्लेषक होने के वजह से 'ई.टी.वी राजस्थान' राज्य के दर्शकों के बीच नेशनल न्यूज चैनलों को पछाड़कर उनसे दुगुनी टी.आर.पी. के साथ नम्बर 1 हुआ ।

अब पिछले कई वर्षों से प्रवासी राजस्थानियों के लिए 'सुनहरा राजस्थान' साप्ताहिक अखबार का प्रकाशन कर रहे हैं । जिसका उद्घाटन जयपुर, मुंबई व कोलकाता में लगातार समारोह आयोजित करके किया गया और 6 महीने बाद दुबई में लॉन्चिग की गई।

लगभग पूरी जिंदगी पत्रकारिता करने के बाद निष्पक्ष और सच्ची पत्रकारिता के लिए राजस्थान जयपुर में 6 वर्ष पहले टीवी चैनल प्रारंभ करने के लिए भूमिका मीडिया इनिशिएटिव कंपनी बनाई जो इस वक्त ए1 टीवी चैनल का संचालन कर रही है, जिसके चैनल हैड अनिल लोढ़ा जी स्वयं हैं । आपको जानकारी के लिए बता दें की श्री अनिल लोढ़ा जी पत्रकारिता के अलावा एक अच्छे कवि भी है शब्दों पर इनकी पकड़ के भी लोग कायल है और इनका एक कविता संग्रह 'आग का पेड़ भी प्रकाशित हो चुका है ।

Kala Ankur Journey Since 1996

	1996		
1	श्रृद्धांजलि	20-01-1996	फिल्मी संगीतकार एवं गायकों को श्रृद्धांजलि
2	राग गीत	30-04-1996	भारतीय शास्त्रीय संगीत पर आधारित फिल्मी गीतों का कार्यक्रम
3	गीत सुधा	29-06-1996	देश के स्थापित कवियों द्वारा गीत प्रस्तुति का कार्यक्रम
4	कला प्रर्दशनी	29-06-1996	अनेक प्रतिष्ठित कलाकारों के चित्रों की प्रर्दशनी
5	रिमझिम	17-08-1996	वर्षा ऋतु पर आधारित नृत्य व गीतों का कार्यक्रम
6	मेरा अजमेर	17-08-1996	अजमेर शहर के चित्रों की प्रर्दशनी एवं प्रतियोगिता
	1997		
7	स्मरण–1997	18-01-1997	महान गायक स्व. कुन्दन लाल सहगल को श्रृद्धांजलि
8	खोज–1997	19-01-1997	अंर्तविद्यालय सुगम गायन प्रतियोगिता
9	ठहाका	14-03-1997	हास्य कवि सम्मेलन
10	राग–रंग	24-06-1997	भारतीय शास्त्रीय संगीत पर आधारित ठुमरी, गज़ल व फिल्मी गीतों का कार्यक्रम
11	उत्सर्ग	23-08-1997	भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभक्ति के फिल्मी गीतों का कार्यक्रम
12	पोस्टर प्रतियोगिता	15-09-1997	भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता
13	अपराजिता	20-12-1997	सिने अभिनेत्री श्रीमती रोहिणी हटंगिड़ी द्वारा प्रस्तुत एक नाटक
	1998		
14	खोज–1998	31-01-1998	अंर्तविद्यालय सुगम गायन प्रतियोगिता
15	झनकार	28-02-1998	प्रख्यात सितार वादक श्री शुजात खां द्वारा सितार वादन
16	समर्पण	30-04-1998	भजन एवं धार्मिक गीतों पर आधारित कार्यक्रम
17	स्मरण–1998	22-08-1998	महान गायक स्व. तलत महमूद को श्रृद्धांजलि
	1999		
18	खोज–1999	31-01-1999	अंर्तविद्यालय सुगम गायन प्रतियोगिता
19	स्वर–माधुरी	27-03-1999	प्रसिद्ध सरोद वादक श्री आदित्य वर्मा का सरोद वादन एवं प्रसिद्ध गज़ल गायिका श्रीमती शांति हीरानन्द द्वारा गज़ल प्रस्तुति
20	आमद	11-06-1999	कथक नृत्य के समर केम्प के समापन पर कथक नर्तकि एवं शिक्षिका श्रीमती अनिता ऑर्डिया के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नृत्य का कार्यक्रम
21	गीत भैरवी	14-06-1999	राग भैरवी पर आधारित फिल्मी गीतों का कार्यक्रम
22	स्मरण–1999	30-10-1999	महान गज़ल गायिका स्व. बेगम अख्तर को श्रृद्धांजलि
	2000		
23	खोज–2000	30-01-2000	अंर्तविद्यालय सुगम गायन प्रतियोगिता
24	एक्रोस दा बॉर्डर	22-07-2000	पाश्चात्य धुनों पर आधारित हिन्दी फिल्मी गीतों का कार्यक्रम
25	स्मरण–2000	31-10-2000	महान संगीतकार स्व. एस.डी.बर्मन को श्रृद्धांजलि
	2001		
26	खोज–2001	18-02-2001	अंर्तविद्यालय सुगम गायन प्रतियोगिता
27	स्मरण–2001	14-07-2001	महान संगीतकार स्व. मदन मोहन को श्रृद्धांजलि
28	नृत्यांजलि	28-10-2001	अंर्तविद्यालय एवं ओपन नृत्य प्रतियोगिता
	2002		
29	खोज–2002	11-02-2002	अंर्तविद्यालय सुगम गायन प्रतियोगिता
30	पंकज सरावगी	12-02-2002	अजमेर क्लब के संयुक्त तत्वावधान में प्रसिद्ध फिल्मी गीतों का कार्यक्रम
31	कोंपलें	22-05-2002	समर केम्प के विद्यार्थियों द्वारा कथक नृत्य एवं नाटक की प्रस्तुति
32	उत्कर्ष	18-08-2002	55 वें स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर लॉयन्स क्लब के सयुंक्त तत्वावधान में प्रस्तुत देश भक्ति गीतों का कार्यक्रम
33	स्मरण–2002	11-08-2002	महान गायक स्व. किशोर कुमार को श्रृद्धांजलि
	2003		
34	खोज–2003	19-01-2003	अंर्तविद्यालय सुगम गायन प्रतियोगिता
35	कोंपलें	24-05-2003	समर केम्प का समापन व विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नृत्य का कार्यक्रम
36	कला प्रर्दशनी	16-01-2003	प्रसिद्ध चित्रकार श्री श्याम सुन्दर के चित्रों की प्रर्दशनी

37	जज़्बात	30-08-2003	गज़लों से सजी एक महफिल
38	स्मरण–2003	25-09-2003	महान गायक स्व. हेमन्त कुमार को श्रृद्धांजलि
39	यमन–यामिनी	23-11-2003	राग यमन पर आधारित फिल्मी गीतों का कार्यक्रम
	2004		
40	खोज–2004	02-08-2004	अंर्तविद्यालय सुगम गायन प्रतियोगिता
41	शिर्वपनम	24-03-2004	प्रसिद्ध नृत्यांगना श्रीमती सुशिला मेहता द्वारा भरतनाट्यम की प्रस्तुति
42	स्मरण–2004	28-08-2004	महान संगीतकार स्व. सी. रामचन्द्र को श्रृद्धांजलि
43	नृत्यांजलि	30-10-2004	अंर्तविद्यालय एवं ओपन नृत्य प्रतियोगिता
	2005		
44	खोज–2005	30-01-2005	अंर्तविद्यालय सुगम गायन प्रतियोगिता
45	उत्सव	02-05-2005	भारतीय त्योंहारों पर आधारित नृत्यों से सजी एक शाम
46	उपलब्धि–2005	30-06-2005	कला अंकुर अकादमी के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत संगीत एवं नृत्य का कार्यक्रम
47	स्मरण–2005	14-07-2005	महान संगीतकार स्व. रोशन को श्रृद्धांजलि
48	अय मेरे वतन के लोंगों	28-08-2005	बून्दी फेस्टीवल में कला अंकुर द्वारा प्रस्तुत एक कार्यक्रम
49	भजन संध्या	10-02-2005	अजमेर सैन्ट्रल जेल में कला अंकुर अकादमी के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत एक कार्यक्रम
50	प्रस्तुति	22-10-2005	अकादमी के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत एक कार्यक्रम
51	वन एक्ट प्ले	24-10-2005	कला अंकुर सदस्यों द्वारा प्रस्तुत नाटक
52	कला प्रर्दशनी	25–27.12.2005	प्रसिद्ध चित्रकार श्री श्याम सुन्दर के चित्रों की प्रर्दशनी
	2006		
53	सितारों की खोज–2006	21-01-2006	पिछले दस वर्षों के खोज प्रतियोगिता के विजेताओं की प्रतियोगिता व संगीत का कार्यक्रम
54	आराधना	28-03-2006	कला अंकुर द्वारा भीलवाड़ा में प्रस्तुत संगीत का कार्यक्रम
55	वसुधा	23-04-2006	कला अंकुर द्वारा बून्दी में प्रस्तुत संगीत का कार्यक्रम
56	स्मरण–2006	08-05-2006	महान संगीतकार स्व. नौशाद को श्रृद्धांजलि
57	उत्सर्ग	27-10-2006	मेयो कॉलेज में प्रस्तुत कार्यक्रम आज़ादी की कहानी गीतों की जुबानी
	2007		
58	संस्कृति सेतु	01-05-2007	जापानी ट्रुप द्वारा प्रस्तुत नृत्यों का कार्यक्रम
59	खोज–2007	27-01-2007	अंर्तविद्यालय एवं ओपन सुगम गायन प्रतियोगिता
60	नृत्यांजलि	28-01-2007	अंर्तविद्यालय एवं ओपन नृत्य प्रतियोगिता
61	समर केम्प–2007	14.05 से 14.06.2007	संगीत, नृत्य, नाट्य एवं चित्रकला का प्रशिक्षण केम्प
62	कोंपलें	06-02-2007	समर केम्प का समापन व विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम
63	माँ	08-12-2007	
64	स्मरण–2007	28-10-2007	महान संगीतकार स्व. ओ.पी.नैयर को श्रृद्धांजलि
	2008		
65	खोज–2008	02-10-2008	अंर्तविद्यालय एवं ओपन सुगम गायन प्रतियोगिता
66	कोंपलें	06-02-2008	समर केम्प का समापन व विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम
67	अहसास	08-03-2008	
68	स्मरण–2008	22-10-2008	महान संगीतकार स्व. आर.डी.बर्मन को श्रृद्धांजलि
	2009		
69	खोज–2009	28-01-2009	अंर्तविद्यालय एवं ओपन सुगम गायन प्रतियोगिता
70	नृत्यांजलि	29-01-2009	अंर्तविद्यालय एवं ओपन नृत्य प्रतियोगिता
71	कोंपलें	06-01-2009	समर केम्प का समापन व विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम
72	स्मरण–2009	09-05-2009	महान संगीतकार स्व. सलील चौधरी को श्रृद्धांजलि
73	नाटक	10-10-2009	ईस्ट पॉईन्ट स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में नाटक दुलारी बाई का मंचन
	2010		
74	खोज–2010	24-01-2010	अंर्तविद्यालय एवं ओपन सुगम गायन प्रतियोगिता
75	नृत्यांजलि	08-01-2010	अंर्तविद्यालय एवं ओपन नृत्य प्रतियोगिता
76	स्मरण–2010	10-03-2010	महान संगीतकार स्व. शंकर जयकिशन को श्रृद्धांजलि
	2011		
77	कच्ची मिट्टी	16-01-2011	18 वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा प्रस्तुत संगीत, नृत्य व नाट्य का चैरेटी कार्यक्रम

78	पांचाली	17-07-2011	महाभारत की कहानी पर आधारित नाटक
79	खोज–2011	31-07-2011	अंर्तविद्यालय सुगम गायन प्रतियोगिता
80	स्मरण–2011	22-09-2011	महान गायक स्व. महेन्द्र कपूर को श्रृद्धांजलि
	2012		
81	रूपक	31-01-2012	ताल रूपक पर आधरित गीतों व नृत्य का चैरेटी कार्यक्रम
82	खोज–2012	27-07-2012	अंर्तविद्यालय एवं ओपन सुगम गायन प्रतियोगिता
83	नृत्यांजलि	28-07-2012	अंर्तविद्यालय एवं ओपन नृत्य प्रतियोगिता
84	बहुरानी	08-05-2012	एक हास्य नाटक
85	स्मरण–2012	30-09-2012	महान गज़ल गायक स्व. जगजीत सिंह को श्रृद्धांजलि
86	पांचाली	11-01-2012	संगीत नाटक अकादमी, राजस्थान के राज्य स्तरीय नाट्य महोत्सव में महाभारत की कहानी पर आधारित नाट्य मंचन
	2013		
87	वनिता दा वुमन	27-01-2013	एक औरत के जीवन को दर्शाता संगीत व नृत्य का चैरेटी कार्यक्रम
88	कहरवा	23-03-2013	ाास्त्रीय एवं राजस्थानी गीतों की एक फ्यूजन प्रस्तुति
89	खोज–2013	28-07-2013	अंर्तविद्यालय एवं ओपन सुगम गायन प्रतियोगिता
90	स्मरण–2013	29-09-2013	महान गायक स्व. मुकेश को श्रृद्धांजलि
	2014		
91	सिनेमा सफ़र सौ साल का	21-02-2014	हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर संगीत का एक चैरिटी कार्यक्रम
92	खोज–2014	26-07-2014	अंर्तविद्यालय एवं ओपन सुगम गायन प्रतियोगिता
93	नृत्यांजलि	27-07-2014	अंर्तविद्यालय एवं ओपन नृत्य प्रतियोगिता
94	स्मरण–2014	21-09-2014	महान गायक स्व. रफ़ी को श्रृद्धांजलि
95	उपलब्धि	19-10-2014	कला अंकुर अकादमी के दस वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत संगीत एवं नृत्य का कार्यक्रम
96	बड़े साहब	20-10-2014	कला अंकुर रंगमंडल द्वारा प्रस्तुत नाटक
97	जज़्बात	16-11-2014	उस्ताद शकील अहमद द्वारा प्रस्तुत गज़लों का कार्यक्रम
	2015		
98	उत्सर्ग	01-10-2015	भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवार को समर्पित देश भक्ति गीतों का चैरिटी कार्यक्रम
99	ए.आर.जी. खोज–2015	26-07-2015	अंर्तविद्यालय एवं ओपन सुगम गायन प्रतियोगिता
100	स्मरण–2015	11-10-2015	भूले बिसरे संगीतकारों को श्रृद्धांजलि
101	कृष्ण–अर्पिता	19-12-2015	कला अंकुर रंगमंडल द्वारा प्रस्तुत नाटक
102	युगबोध		कला अंकुर संस्थान के गौरवशाली 20 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पीढ़ीयों को जोड़ता कविताओं का कार्यक्रम
	2016		
103	युगान्तर	07-02-2016	गूंगे एवं बहरे दिव्यांग बच्चों की संस्था को समर्पित पुरानी एवं नई पीढ़ी को जोड़ता फिल्मी गीतों का कार्यक्रम
104	सितारों की खोज–2016	23-07-2016	पिछले दस वर्षों के खोज प्रतियोगिता के विजेताओं की प्रतियोगिता व संगीत का कार्यक्रम
105	नृत्यांजलि	24-07-2016	अंर्तविद्यालय एवं ओपन नृत्य प्रतियोगिता
106	स्मरण–2016	24-09-2016	महान संगीतकार स्व. रवीन्द्र जैन को श्रृद्धांजलि
107	रूक जाओ कालीदास	05-11-2016	कला अंकुर रंगमंडल द्वारा प्रस्तुत नाटक
	2017		
108	ए.आर.जी. खोज–2017	30-07-2017	अंर्तविद्यालय एवं ओपन सुगम गायन प्रतियोगिता
109	राग़ विराग़	05-08-2017	कला अंकुर रंगमंडल द्वारा प्रस्तुत नाटक
110	स्मरण–2017	04-11-2017	महान गायक स्व. मन्ना डे को श्रृद्धांजलि
	2018		
111	ख़ाकी तुझे सलाम		
112	खोज–2018	04-08-2018	अंर्तविद्यालय एवं ओपन सुगम गायन प्रतियोगिता
113	नृत्यांजलि	05-08-2018	अंर्तविद्यालय एवं ओपन नृत्य प्रतियोगिता
	2019		
114	खोज–2019	04-08-2019	अंर्तविद्यालय एवं ओपन सुगम गायन प्रतियोगिता
115	स्मरण–2019	03-11-2019	महान संगीतकार स्व. ख़य्याम को श्रृद्धांजलि

Kala Ankur Academy Activity Profile

1.	Kathak Camp	May-2005	Training of Kathak by Anita Ordia
2.	Uplabdhi-2005	30.6.2005	A music and dance show by the academy students
3.	Bhajan Sandhya	2.10.2005	Music concert by Academy students at Central Jail
4.	Prastuti	22.10.2005	Show by Academy Students
5.	Shastriya Sangeet Gaayaan	18.06.2006	By Pt. Gajendra Bakshi at Kala-Ankur Academy
6.	Muskan	01.07.2006	A variety show by the children of Kala-Ankur, Ajmer
7.	Summer Camp-07	14.5.07 to 14.6.07	Training Camp in Music, Dance, Drama, Drawing & Painting
8.	Kopalein	02.06.2007	Closing function and show for the summer camp
9.	Sitar Recital	12.04.2008	Classical Sitar Recital by Ustad Jafar Khan at Kala-Ankur Academy
10.	Summer Camp-08	12.5.08 to 2.6.08	Training Camp in Music, Dance, Drama, Drawing & Painting
11.	Saptahik Karyashala	03.05.2008	Musical Workshops on Classical music,Instrumental music, Folk Music etc.
12.	Vimarsh	03.05.2008	Foundation of Kala-Ankur Literary Forum A Lecture on Great Urdu Poet Nazir Akbarabadi by Sh.K.D.Khan
13.	Kopalein	02.06.2008	Closing function and show for the Summer Camp
14.	Vimarsh Kahani Diwas	07.07.2008	Birth Anniversary of great Hindi Writer Late Chandradhar Sharma `Guleri'. Decleared to celebrate 7th July as Kahani Diwas every year.
15.	Vimarsh	14.08.2008	A lecture on history and contemporary status of sanskrit literature in India, Lecture by Sh. Mokshraj Arya, Dr. Badri, Pt. Pancholi & Mrs. Usha Devpura.
16.	Teacher's Day	05.09.2008	Performance by Smt. Shyamal Navre, Smt. Smita Bhargava and Academy Students at Kala-Ankur Academy.
17.	Vimarsh	23.02.2009	Death Anniversary of Great Hindi Poet Late Sudama Pandey Dhoomil
18.	Academy Programme	27.05.2009	Performance by Academy students.
19.	Kopalein	01.06.2009	Closing function and show for the summer camp
20.	Vimarsh	31.06.2009	Death Anniversary of "Munshi Prem Chand".
21.	Academy Programme	01.08.2009	Performance by Academy students.
22.	Academy Programme	26.12.2009	Performance by Academy students and teachers
23.	Mandolin Recital	11.02.2010	Classical Mandolin Recital by Sh. Sugato Bhaduri at Academy
24.	Academy Programme	20.03.2010	Performance by Academy students and teachers at Kala Ankur Academy
25.	Vimarsh	05.05.2010	A Lecture on "Amir Khusro Ki Lok Yatra" by Sh. Surendra Chaturvedi.
26.	Summer Camp-10	16.5.10 to 30.5	Training Camp in Drawing & Painting
27.	Vimarsh Kahani Diwas	07.07.2010	Birth Anniversary of great Hindi Writer Late Chandradhar Sharma `Guleri'.
28.	Kahani Pratiyogita	07.07.2010	On the Birth Anniversary Late Chandradhar Sharma `Guleri' a short story writing competition in Hindi was organised.
29.	Yaad-E-Galib Academy	15.02.2011	A Musical Tribute to "Mirza Galib" on his 142 Death Anniversary by Students.
30.	Seminar on Rajasthani	07.04.2011	Felicitation of Padamshree Dr. C.P.Deval & a discussion on Literature contribution of Dr. Deval to literature of Rajasthani.
31.	Summer Camp-11	16.5.11 to 30.5	Training Camp in Drawing & Painting
32.	Khushboo-E-Gulzar	25.06.2011	Remebering Gulzar.
33.	Kahani Diwas	07.07.2011	A short story writing competition in Hindi (dgkuh izfr;ksfxrk)
34.	Yaadein	22.10.2011	A Tribute to Legendary Ghazal Maestro "Jagjit Singh" presented under "Riyaaz"
35.	Kafi Ke Rang	24.11.2011	A presentation of various moods of classical Raag "Kafi" by students & faculty of Kala Ankur Academy.
36.	Ab Khwabo Mein hi	30.06.2012	A tribute to Great Ghazal Singer " Milenge Mehandi Hassan".
37.	Kahani Diwas	11.07.2012	A short story writing competition in Hindi ¼dgkuh izfr;ksfxrk½
38.	Riyaaz	22.06.2013	A tribute to Legendary Playback Singer "Shamshad Begum".
39.	Kahani Diwas	06.07.2013	A short story writing competition in Hindi ¼dgkuh izfr;ksfxrk½
40.	Cinema aur Sahitya	18.05.2013	A seminar on 100 years of Cinema and Literature.
41.	Lo Ritu Basant Aayi	04.03.2014	Classical vocal programme presented by students of academy.
42.	Sindhi Sahitya	26.04.2014	A Seminar on Sindhi Literature and Ajmer.
43.	Delhi Gharana of		Lecture and demonstration by Iqbal Ahmed from Delhi Gharana.

			Classical Music
44.	Kahani Diwas	07.07.14	Celebrating Birth Anniversary of Hindi Author “Guleri Ji”.
45.	Uplabdhi	19.10.14	Celebrating 10th year of establishing of Kala Ankur Academy.
46.	Basantotsava	04.02.15	Classical Vocal Programme presented by students of Academy.
47.	Summar Camp	17.05.15 -31.05.15	Training Camp in Dramatics.
48.	Kahani Diwas	07.07.15	Celebrating Birth Anniversary of Hindi Author “Guleri Ji”.
49.	Uplabdhi	02.11.15	A programme celebrating 11th year of establishing of Kala Ankur Academy.
50.	Workshop on Vocal Music	27.11.15	A workshop on Vocal Music
51.	Summar Camp	15.05.16-05.06.16	Training Camp in Dramatics.
52.	Uplabdhi	20.10.16	Presentation of Music & Songs by Students and Faculty of Academy
53.	Vasantotsava	02.02.17	Presentation of Dance and Songs related to Vasant
54.	Summar Camp	10.05.17-21.05.17	Training Camp in Dramatics.
55.	Kahani Diwas	07.07.17	Celebrating Birth Anniversary of Hindi Author “Guleri Ji”.
56.	Rajasthani Folk	07.10.17	Lecture Demonstration by Rahis Khan and Companions Instruments
57.	Vasantotsava	22.01.18	Presentation of Dance and Songs related to Vasant
58.	Women’s Day Celebration	08.03.18	Presentation of Songs related to women’s and Sahir Ludhanvi
59.	World Play Day	27.03.18	A programme celebrating world play day.
59.	Summar Camp	09.05.18-20.05.18	Training Camp in Dramatics.
60.	Kahani Diwas	07.07.18	Celebrating Birth Anniversary of Hindi Author “Guleri Ji”.
61.	Yom-E-Ghazal	07.10.18	Presentation of Ghazals, the programme was organized on the birth anniversary of Great Ghazal Singer “Begum Akhtar”.
62.	Uplabdhi	10.02.19	Presentation of Dance and Songs by the students of Kala Ankur Academy.
63.	Summar Camp	15.05.19-05.06.19	Training Camp for Painting & Calligraphy.
64.	Dramatics Camp	12.05.19-25.05.19	Training Camp in Dramatics.
65.	Kahani Diwas	07.07.19	Celebrating Birth Anniversary of Hindi Author “Guleri Ji”.
66.	Kahani Diwas(Online)	07.07.2020	Celebrating Birth Anniversary of Hindi Author “Guleri Ji”.

GOYAL DIAGNOSTICS
4-D ULTRASOUND • COLOUR DOPPLER
Consultant Radiologist & Sonologist
Dr. Devendra Goyal MD (Radio-Diagnosis)
Dr. Roopa Goyal MD (Radio-Diagnosis)
SHOP NO. 16-17, IST FLOOR SHOPPING CENTRE,
OPP. JLN HOSPITAL, AJMER -305 001 PHONE : 2428948
HOLTER TMT ECHOCARDIOGRAPHY SPIROMETRY DIGITAL X-RAY
BMD OPG MAMMOGRAPHY CLINICAL LAB. PAP SMEAR FNAC
THE DIAGNOSIS, FINDING SHOULD ALWAYS BE CO-RELATED WITH THE CLINICAL AND OTHER INVESTIGATION FINDING WHERE APPLICABLE THIS REPORT IN NOT MEANT FOR MEDICO-LEGAL PURPOSE.
भ्रूण लिंग परिक्षण करवाना जघन्य अपराध है। इसकी शिकायत 104 टोल फ्री सेवा पर की जा सकती है।

Sarvoday
DIAGNOSTIC CENTRE
A Joint Venture with Goyal Diagnostics
(Dr. Devendra Goyal & Dr. Roopa Goyal)
24x7 Emergency Services
Facilities Offered
• MRI • CT Scan
• Sonography 5D • Colour Doppler
• Digital Mammography • OPG Machine
• Pathology Services • Portable X-Ray Machine
• Bone Density Scan (DEXA Scan)
• Digital X-Ray 500 MA (With Full Leg Full Spine)
Ground Floor, 111, Shastri Nagar, Nr. Mamta Sweet, Lohagal Road, Ajmer, Rajasthan - 305004
Ph. 0145-2626160, +91 8949789949, +91 9511533448 | sarvoday.ajmer@gmail.com

Symbiosis Computer Visions
'Abhinandan', 60-Adarsh Nagar,
Ajmer Ph.: 2681811, 2680394
E-mail : shalsym@gmail.com Website : www.symcomp.com

With Best Compliments From

Shri S N Mathur in memory of Late Pratap Kunwar Mathur

Smt. Kalpana Sharma, Ajmer

Ms. Lata Sharma, Ajmer

Madhuram Cooking Classes, Ajmer